



सदभावना चौराहा



विभिन्न गतिविधियाँ



कारपोरेट समाचार

संयुक्त संविव, भारी
उद्योग विभाग का
दौरा

सतर्कता जागरूकता
सप्ताह का समापन

समर्पण दिवस का
आयोजन

पं. नेहरू की प्रतिमा
पर माल्यार्पण

कर्तृतूरबा अरपताल
का स्थापना दिवस

आयुर्वेद दिवस का
आयोजन

संविधान दिवस
का आयोजन

एनटीपीसी
आधिकारियों के लिए
प्रशिक्षण

प्रस्तुत पेपर को
जूरी अवार्ड

ओएनजीसी ग्राहकों
के लिए प्रशिक्षण
कार्यक्रम

लेडीज वलब की
उपलब्धियाँ

BHEL organises dialogue for strengthening local supply ecosystem for a vibrant Aatmanirbhar Bharat



In pursuance of the Hon'ble Prime minister's vision to make India self-reliant, Bharat Heavy Electricals Limited (BHEL) organised the third edition of its dialogue with domestic business partners, industry associations, academia, research institutes, government organisations and other stakeholders under the theme 'Development powered by Research and Innovation'. The event was organised at Bharat Mandapam.

**सुरक्षा की एक ही परिभाषा,
समय से निकले, समय पर पहुंचे**

In his address, Hon'ble Union Minister of Heavy Industries, Dr. Mahendra Nath Pandey citing the clarion call of the Hon'ble Prime Minister for being 'Vocal for Local', exhorted the fraternity to come out with solutions on the challenges faced and focus on achieving the aspiration of becoming a developed nation by 2047. He released a booklet on 'Annual Capacity Building Plan (ACBP)' of MHI outlining key strategic areas with year-wise capacity building initiatives within Ministries, Departments and Organisations (MDOs) in line with the Hon'ble Prime Minister's vision of Mission Karmayogi. He also unveiled BHEL's R&D compendium titled 'Anusandhan se Aatmanirbharta' on the occasion.

Speaking on the occasion, Sh. Kamran Rizvi, Secretary (HI) shared that the ministry of Heavy Industries is working extensively towards providing an ecosystem for the growth of the capital goods and automotive industries. He also lauded the significant role of BHEL in shaping the industrial landscape in the country by developing and manufacturing a wide range of power generation, transmission, transportation and defence equipment and technologies which has helped reduce India's dependence on imports. Sh. Rizvi said that initiatives like 'BHEL Samvaad' stand testimony to the company's commitment towards AatmaNirbhar Bharat.

In his address, Sh. Vijay Mittal, Joint Secretary (HI) appreciated the outcomes that have emerged from SAMVAAD 1.0 and 2.0 and the pivotal role played by BHEL to manufacture products within India leading to import substitution and development of indigenous vendor ecosystem. He appreciated BHEL's efforts to organise SAMVAAD 3.0, an inclusive event with a bigger outreach and scope to connect more partners.

Earlier, welcoming the delegates, Sh. Koppu Sadashiv Murthy, CMD, BHEL called upon all stakeholders to constructively engage in productive discussions in the technical sessions, incubate ideas, and foster an environment that encourages open communication and mutual understanding.

The star performers among BHEL's success partners who have contributed to the cause of Aatmanirbhar Bharat were felicitated on the occasion by Hon'ble Union Minister of Heavy Industries, Dr. Mahendra Nath Pandey.

During the event, Sh. Jai Prakash Srivastava, Director (E, R&D) and Director (Fin.) - Addl. Charge touched upon the various technical sessions held in BHEL SAMVAAD 3.0 and thanked all stakeholders for their active participation and success of the event.

श्री कोप्पु सदाशिव मूर्ति ने बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में नियुक्ति होने पर 56 वर्षीय श्री कोप्पु सदाशिव मूर्ति ने इस सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण उद्यम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है।

यह पदभार ग्रहण करने से पूर्व, श्री मूर्ति बीएचईएल में कॉर्पोरेट परिचालन प्रबंधन समूह के कार्यपालक निदेशक थे, और साथ ही साथ भारत पम्प्स एंड कंप्रेशर्स लिमिटेड (बीपीसीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे थे।



श्री मूर्ति ने वर्ष 1989 में बीएचईएल की ज्ञांसी विनिर्माण इकाई (जो कि ट्रांसफार्मर और लोकोमोटिव विनिर्माण का गढ़ है) में कार्यग्रहण किया था। उन्होंने भोपाल विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में राजकीय और वित्त में एमबीए डिग्री अर्जित की है। श्री मूर्ति ने बीएचईएल के कॉर्पोरेट कार्यालय और हैंदरगाबाद, भोपाल, ज्ञांसी एवं वाराणसी जैसी विभिन्न विनिर्माण इकाइयों में अपने 34 वर्षों के व्यापक एवं व्यावहारिक अनुभव से रणनीतिक, परिचालन, परियोजना एवं वाणिज्यिक प्रबंधन में दक्षताओं की व्यापक शृंखला विकसित की है।

श्री मूर्ति के करियर की विशेषता है -निरंतर राजस्व एवं लाभप्रदता उपलब्ध करना और विशिष्ट संसाधनों के इष्टमीकरण का मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड। श्री मूर्ति ने दिल्ली में कॉर्पोरेट परिचालन प्रबंधन के प्रमुख के रूप में, परियोजना केंद्रित संस्कृति को पोषित करते हुए कंपनी को दो साल के नुकसान के बाद वित्त वर्ष 22-23 और 21-22 में लाभप्रद बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बीएचईएल की वाराणसी विनिर्माण इकाई का नेतृत्व करते हुए, उन्होंने यूनिट पोर्टफोलियो के सभी पहलुओं की सफलतापूर्वक अग्रवाई की। कोविड के दौरान कारखाने के आंशिक बंद होने/लॉकडाउन से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, इकाई ने वित्त वर्ष 20-21 में 25% राजस्व पर कर पूर्व लाभ के साथ ऐतिहासिक रूप से निम्न इन्वेंट्री स्तर एवं नकद अधिशेष जैसे उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए।

सीएमडी, बीपीसीएल के रूप में; मजबूत हितधारक संबंधों के निर्माण के उनके असाधारण कौशल ने 80 करोड़ रुपये तक संपत्ति के मुद्रीकरण के पारस्परिक रूप से लाभकारी परिणाम दिखाये और ग्राहकों, ठेकेदारों एवं आपूर्तिकर्ताओं के साथ दीर्घकालिक लंबित भुगतान एवं संविदात्मक मुद्दों का समाधान करवाया।

श्री मूर्ति का विज्ञन है कि बीएचईएल भविष्य में उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण उपलब्ध कराने में महारत प्राप्त करेगा, नियत समय पर ईपीसी निष्पादन सुनिश्चित करेगा और भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा। सिर्ट टीम लीडर के रूप में उनकी क्षमता और सामृहिक लक्ष्यों के प्रति विविध आयामों को चैनलाइज करने की उनकी क्षमता आने वाले वर्षों में कंपनी को नई ऊचाइयों पर ले जाएगी।



संयुक्त सचिव, भारी उद्योग विभाग का दौरा



बीएचईएल
भोपाल में श्री
विजय मितल,
संयुक्त सचिव,
भारी उद्योग
मंत्रालय एवं
निदेशक,
बीएचईएल बोर्ड
ने वंदे भारत ट्रेनों
के लिये भोपाल
यूनिट के ट्रैकशन
ब्लॉक में चल रहे
कार्यों का
निरीक्षण करने
के साथ-साथ
न्यू-ट्रॉन्सफार्मर
एवं यूएचवी
प्रयोगशाला
विजिट किया
तथा संबंधित
महाप्रबंधकों से
विभिन्न



परियोजनाओं के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर श्री राजीव सिंह, कार्यपालक निदेशक उनके साथ
उपस्थित थे।





इसके उपरांत एक बैठक में श्री मित्तल ने सभी महाप्रबंधकों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बीएचईएल भोपाल के सभी विनिर्माण विभागों में चल रहे कार्यों और प्रतिष्ठित ऑर्डरों के विषय में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बीएचईएल की इंजीनियरिंग क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि हमें सभी परियोजनाओं से संबंधित उपकरणों की समय से आपूर्ति करनी है और अपने उपकरणों की गुणता के दम पर बाजार में यह सिफ्ट करना है कि हमारे उत्पाद विश्व के शीर्ष उत्पादों के समतुल्य हैं। हमें अपने उत्पादों की गुणवत्ता और उनके निर्बाध निष्पादन के बल पर अपने ब्रांड इमेज को ढढ़ बनाना है। उन्होंने कहा कि बीएचईएल की इंजीनियरिंग क्षमता और यहां के कर्मचारियों की प्रतिबद्धता की जितनी प्रशংসा की जाए कम है।



इस अवसर पर श्री गजीव सिंह ने कहा कि बीएचईएल भोपाल के पास अच्छा ऑर्डर बुक है और सभी अधिकारी, पर्यवेक्षक तथा कर्मचारी पूरे लगन से सभी कार्य समय से पूरा करने के साथ निर्धारित टर्न ओवर प्राप्त करेंगे। श्री सिंह ने सभी महाप्रबंधकों से कहा कि हमें किसी भी कीमत पर शीर्वक से बचना है और साथ ही हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी परियोजना में हमें पेनाल्टी न लगे।



सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन



बीएचईएल, भोपाल में सतर्कता विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 का समापन एवं पुरस्करण वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजीव सिंह, कार्यपालक निदेशक, बीएचईएल, भोपाल एवं विशिष्ट अतिथि श्री राजीव कुमार टंडन पूर्व पुलिस महानिदेशक, एसपीई लोकायुक्त तथा सदस्य, मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में सभी महाप्रबंधक तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में श्री राजीव सिंह ने कहा कि किसी भी दिए गए कार्य में खामित्व का भाव आना चाहिए तथा कर्मचारी को हर कार्य पारदर्शिता व ईमानदारी से करना चाहिए।

इसके उपरांत श्री राजीव कुमार टंडन ने अपने उद्बोधन में कहा कि सतर्कता का भाव विद्यार्थी

काल से ही निश्चित करना चाहिए ताकि बड़े होकर जब वे विभिन्न पदों पर जाएं तो पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा की राह और दृढ़ हो सके।

इस अवसर पर विभाग प्रमुख श्री पंकज पराड़कर ने इस वर्ष की सतर्कता थीम “भष्टाचार का विरोध करें; गष्ट के प्रति समर्पित रहें” पर अपने उद्बोधन में कहा कि भष्टाचार का विरोध ही गष्ट के प्रति समर्पण का सच्चा प्रतीक है और यदि अभी से इनमें भष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता का भाव रहेगा तो देश अवश्य ही भष्टाचार से मुक्त होगा। इसी तारतम्य में एक ग्राम सभा, कार्यपालकों के लिए एक वर्कशॉप सायबर क्राईम पर एक सत्र और कर्मचारियों के लिए सतर्कता थीम पर विवरण का भी आयोजन किया गया।

जेंट्रा लक्ष्य
भष्टाचार मुक्त भारत



सतर्कता विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए थे जिसके अंतर्गत विभागों में, विक्रम स्कूल, जवाहर स्कूल, शासकीय उ.मा. विद्यालय पड़रिया काछी और कर्तृतुरबा कॉलेज में विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलवाई गई।

विक्रम स्कूल पिपलानी में सतर्कता थीम पर चित्रकला प्रतियोगिता में 77 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने बहुत ही सुंदर और संदेशात्मक चित्र बनाए। इस प्रतियोगिता में कक्षा 10 की कुमारी मुरकान नागेश्वरी ने प्रथम रथान प्राप्त किया। इसी तरह जवाहर विद्यालय में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में कक्षा 11 के अभिषेक सिंह तथा कक्षा 10 के जतिन मीना ने क्रमशः हिन्दी तथा अंग्रेजी श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। कर्तृतुरबा कॉलेज में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में निमिषा कुमारी ने ओजरवी भाषण से प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। बीएचईएल के सभी कर्मचारियों, सोसायटी वर्कर्स आदि के लिए स्लोगन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें हिन्दी में श्री मनीष चुरेन्द्र तथा अंग्रेजी में श्रीमती कल्पना कुणाल कोडापे ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

पूरे सतर्कता सप्ताह के दौरान व्यरक्तों एवं बच्चों को मिलाकर लगभग 7700 से अधिक को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलवाई गई।

कार्यक्रम का संचालन गुणता नियंत्रण के श्री अभिषेक गर्ग एवं सतर्कता विभाग के श्री राजीव रौय तथा श्री केशव कुमार ने किया।

जागरूक बनें, सतर्क रहे, सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करें।



“समर्पण दिवस” का आयोजन



बीएचईएल भोपाल का कारखाना 06 नवंबर 1960 को हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था। प्रतिवर्ष 06 नवंबर को भोपाल इकाई में “समर्पण दिवस” के रूप में मनाया जाता है।

समर्पण दिवस के इस अवसर पर प्रशासनिक भवन, तृतीय तल में माननीय कार्यपालक निदेशक, श्री राजीव सिंह ने सभी महाप्रबंधक एवं डीआरओगण को “समर्पण शपथ” दिलवाई। कार्यक्रम का समन्वय मानव संसाधन विभाग द्वारा किया गया।

इस अवसर पर इकाई के ब्लॉकों में सभी विभागाध्यक्षों ने भी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को कार्यस्थल पर बीएचईएल के विजन, मिशन तथा मूल्यों कि प्राप्ति हेतु समर्पण भावना से कार्य करने के लिए ‘‘समर्पण शपथ’’ दिलवाई। कारखाने में स्थित उत्पादन समूह जैसे की थर्मल, फ़िडर्स समूह, ट्रान्सफ़ोर्मर, टीपीटीएन, डबल्यूटीएम, ईएम, स्विच गियर, फेब्रिकेशन समूह तथा गुणता, वित, मानव संसाधन एवं उद्योगनगरी में स्थित विभिन्न कार्यालय एवं कस्तूरबा चिकित्सालय में कर्मचारियों द्वारा शपथ ली गई।

पंडित नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण



बीएचईएल, भोपाल में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री रवर्गीय पंडित जवाहरलाल नेहरू की जन्मतिथि पारंपरिक उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर श्री राजीव सिंह, कार्यपालक निदेशक, बीएचईएल, भोपाल भेकनिस के अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक (मा.सं. एवं एलजीएक्स) श्री बी के सिंह, भेकनिस के उपाध्यक्ष श्री अविनाश चन्द्रा, महाप्रबंधक (डब्ल्यूईएक्स एवं एमओडी) तथा सचिव श्री टी यू सिंह, अपर महाप्रबंधक (नगर प्रशासन) सभी महाप्रबंधकगण, श्री हरीश कुमार साहू, कमाण्डेण्ट, सीआईएसएफ सभी ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधिगण तथा कर्मचारी उपरिथित थे। सभी ने पंडित नेहरू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका स्मरण किया।

इस अवसर पर श्री राजीव सिंह ने माल्यार्पण के उपरांत सभी से कहा कि हमें इस कारखाने को आगे बढ़ाने के लिए पूरे परिश्रम एवं ईमानदारी से कार्य करना है। उन्होंने यह भी आहवान किया कि अब हमारे पास इस वित्तीय वर्ष में बहुत ही कम समय उपलब्ध है और इसलिए हमें बिना एक पल गवाए निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करना है।



नेहरू जी की जन्मतिथि को बाल दिवस के रूप में भी मनाया जाता है और इस उपलक्ष्य में बीएचईएल, भोपाल कारखाने के शिशु गृह में भी एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों को मिठाइयाँ एवं खिलौने प्रदान किए गए।

सुरक्षा की एक ही परिभाषा,
समय से निकले, समय पर पहुंचे

करतूरबा चिकित्सालय का स्थापना दिवस



बीएचईएल, भोपाल के करतूरबा चिकित्सालय का 57वां स्थापना दिवस समारोह बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजीव सिंह, कार्यपालक निदेशक, बीएचईएल, भोपाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री बी के सिंह, महाप्रबंधक (मा.सं. एवं एलजीएक्स) उपस्थित थे। इस अवसर पर करतूरबा चिकित्सालय की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. (श्रीमती) अल्पना तिवारी भी मौजूद थीं।

चिकित्सालय दिवस समारोह के उपलक्ष्य में श्री राजीव सिंह ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया तथा चिकित्सालय परिवार के सभी सदस्यों को चिकित्सालय दिवस की बधाई दी।

कार्यक्रम में चिकित्सालय के सभी अधिकारी, कर्मचारी तथा समर्त रस्टाफ उपस्थित था। कार्यक्रम का संचालन तथा आभार डॉ. (श्रीमती) रिम्मी ने किया।



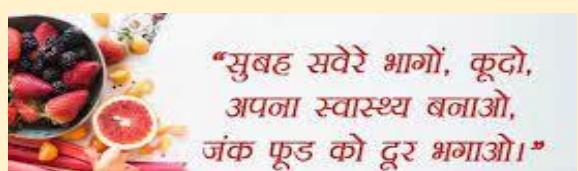
आयुर्वेद दिवस का आयोजन



करतूरबा चिकित्सालय द्वारा महात्मा गांधी मार्ग स्वास्थ्य केन्द्र में भगवान धन्वंतरि जयंती के उपलक्ष्य में आयुर्वेद दिवस का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजीव सिंह, कार्यपालक निदेशक तथा विशिष्ट अतिथि श्री बी.के. सिंह, महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं एलजीएस) थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री राजीव सिंह, कार्यपालक निदेशक ने भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप

प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि आयुर्वेद के विषय में न केवल देश में, बल्कि विदेशों में भी खूब जागरूकता बढ़ी है तथा लोग अपने दैनिक जीवन में इसका उपयोग कर लाभ प्राप्त कर रहे हैं।



बाहर का रवाना कर देगा बीमार,
हमेशा घर का ले स्वस्थ आहार।
स्वास्थ्य ही असली धन है।





कार्यक्रम के प्रारंभ में कस्तूरबा चिकित्सालय की प्रमुख डॉ. (श्रीमती) अल्पना तिवारी, मुख्य चिकित्सा सेवाएं ने अतिथियों का ख्वागत करते हुए कहा कि आयुर्वेद को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा अपने जीवन को नियोग बनाएं।

कार्यक्रम में उपस्थित आयुर्वेदाचार्य श्रीमती विजया बारंगे ने लोगों को बताया कि भोजन-पानी कब, कितना और कैसे लेना चाहिए. कार्यक्रम के अंत में आयुर्वेदाचार्य ने उपस्थित लोगों को उनके रोग के अनुसार आयुर्वेदिक परामर्श भी दिया।

इस अवसर पर कस्तूरबा चिकित्सालय के भेषजज्ञ श्री जय कुमार मौर्य ने भी प्राकृतिक चिकित्सा पर व्याख्यान दिया तथा ध्यान कराया। कस्तूरबा चिकित्सालय की आहार विशेषज्ञ कु. निकिता ने बताया कि किस रोग में कौन-सा भोजन लेना चाहिए और कौन-सा नहीं। रोग के विरुद्ध आहार लेने से क्या-क्या नुकसान हो सकता है।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुनीता राय शेकवार, उप महाप्रबंधक (चिकित्सा) एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री नंद किशोर सत्रावला, उप प्रबंधक (मा.सं.-चिकित्सा) ने किया।

संविधान दिवस का आयोजन



बीएचईएल भोपाल में “संविधान दिवस” के पूर्व संदेश पर श्री राजीव सिंह, कार्यपालक निदेशक की उपस्थिति में सभी महाप्रबंधक एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भारत के संविधान के प्रति सम्मान और निष्ठा प्रदर्शित करते हुए संविधान की प्रस्तावना पढ़ी गई। इसके साथ-साथ बीएचईएल भोपाल के सभी विभागों एवं कार्यालयों में भी विभागाध्यक्षों और कर्मचारियों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया गया।

इस अवसर पर मानव संसाधन विभाग द्वारा मानव संसाधन विकास केंद्र में भारतीय संविधान विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री विनोदानंद झा, अपर महाप्रबंधक (जन संपर्क विभाग) ने की। उन्होंने अपने संबोधन में वर्तमान परिवेश में कार्यक्रम की आवश्यकता के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित श्री जन्मेजय सिंह, उप प्रवंधक विधि विभाग ने अपने व्याख्यान में संविधान के मुख्य प्रावधानों के साथ-साथ मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों को विस्तार से समझाया।

जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में श्री एम के भगत, अपर महाप्रबंधक, सीएटी एवं श्री अशोक कुमार माछोर वरिष्ठ उप महाप्रबंधक द्वारा जनजातीय वर्ग के कल्याण में किए जा रहे विभिन्न योजनाओं एवं आंबेडकर भवन, बीएचईएल द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कार्यक्रम तथा उपलब्धियों से अवगत कराया गया। सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम की सराहना की।

इस कार्यक्रम में बीएचईएल से 60 कर्मचारियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम का समन्वय श्रीमती सुरेखा बंछोर, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (मा.सं.) द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन श्री परितोष कुमार दलेई, प्रबंधक (मा.सं.) द्वारा किया गया।

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 15 नवंबर 2023 को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाए जाने हेतु जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा 15 नवंबर 2023 से 26 नवंबर 2023 तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देशानुसार बीएचईएल भोपाल इकाई में कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए जनजातीय गौरव एवं राष्ट्रीयता विषय पर कविता लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। श्री सचदेव सोनी, क्यू टी एन विभाग को प्रथम पुरस्कार दिया गया एवं श्री एम के भगत, अपर महाप्रबंधक सी ए टी को द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। कुमारी ऋषिता मरावी, पुत्री श्री उमेश मरावी, उप प्रबंधक (मा.सं.) को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस शृंखला में बीएचईएल भोपाल उद्योग नगरी में स्थित जवाहर एवं बिक्रम स्कूल में जनजातीय धरोहर एवं संस्कृति विषय पर पैटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें लगभग 200 बच्चों ने भागीदारी की। इस प्रतियोगिता में हार्दिक सोनवाने, ग्रुप ए, जवाहर लाल नेहरू स्कूल एवं अनिकेत चौधुरी, ग्रुप बी, विक्रम हाइयर सेकोण्डारी स्कूल को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस दौरान बीएचईएल भोपाल इकाई में स्थित डिजिटल स्क्रीन पर भगवान बिरसा मुंडा के वित्र और उनकी गाथाएँ प्रदर्शित की गईं।

**भाग्य में नहीं,
अपनी शक्ति में विश्वास रखो।**



मेसर्स एनटीपीसी के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम



मेसर्स एनटीपीसी
अधिकारियों के लिए
"पावर ट्रांसफार्मर"
पर 4 दिवसीय
ग्राहक प्रशिक्षण
कार्यक्रम का
शुभारंभ श्री एस.के.
महाजन, महाप्रबंधक
(टीसीबी), श्री
एम.जी.ठकार, अपर
महाप्रबंधक
(टीएक्सएक्स) एवं
श्रीमती स्वागता
एस.सक्सेना, अपर
महाप्रबंधक
(एचआरडी) एवं श्री
अरुण खरे, अपर
महाप्रबंधक
(टीआरई) मेसर्स

एनटीपीसी अधिकारियों के लिए "पावर ट्रांसफार्मर" पर 4 दिनों के ग्राहक प्रशिक्षण कार्यक्रम का
उद्घाटन श्री एस.के. महाजन, जीएम (टीसीबी), श्री एम.जी.ठकार, एजीएम (टीएक्सएक्स), श्रीमती
द्वारा किया गया। द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री अनिरुद्ध व्यास, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक
(टीएक्सएक्स) एवं मानव संसाधन विभाग के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।





अपने संबोधन में श्री श्री एस.के. महाजन ने कहा कि मेसर्स एनटीपीसी हमारा सम्मानित ग्राहक है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ज्ञान और कौशल को अद्यतन करना, सीखना और विकास करना है। हम सभी को समर्थयाओं को बेहतर तरीके से हल करने के लिए बिजली ट्रांसफार्मर डिजाइन, निर्माण और कमीशनिंग, खरखाव पहलुओं की बुनियादी अवधारणाओं को समझने और फिर से सीखने की ज़रूरत है। कार्यक्रम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों को जितना संभव हो ज्यादा से ज्यादा सीखने पर जोर देना चाहिए। समर्थयाओं के समाधान और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए हम सदैव तत्पर हैं।

श्री ठकार ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि मेसर्स एनटीपीसी और मेसर्स बीएचईएल दोनों संगठन देश के विकास के लिए मिलकर काम कर रहे हैं और एक इंजीनियरिंग उद्योग के रूप में हम उनकी समर्थयाओं को हल करने और त्वरित सेवाएं प्रदान करने के लिए हमें तैयार हैं। इसके पूर्व श्रीमती स्वागता सवसेना ने सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम और मॉड्यूल के बारे में जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का संचालन श्री उमेश कुमार सावले, प्रबंधक (एचआरडी) ने किया।

नई दिल्ली में आयोजित ट्रैफोटेक - 2023 सेमिनार में बीएचईएल द्वारा प्रस्तुत पेपर को मिला जूरी अवार्ड



TRAFOTECH Global

Transformers for Sustainable Future

23-25 November 2023 | New Delhi



इंडियन इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरर एसोसियेशन (IEEMA) द्वारा नई दिल्ली में 23 से 25 नवंबर 2023 तक “ट्रांसफार्मर - एक दीर्घकालिक भविष्य” विषय पर ट्रैफोटेक ग्लोबल - 2023 अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया ट्रांसफार्मर उद्योग का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित

आयोजन ट्रैफोटेक ग्लोबल IEEMA द्वारा हर चार वर्ष के अंतराल में आयोजित किया जाता है। तीन दिनों तक चले इस आयोजन में ट्रांसफार्मर से जुड़े विषयों पर कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं द्वारा 6 अलग अलग सत्रों में लगभग 40 तकनीकी पेपर प्रस्तुत किए गए।

इस सेमिनार में बीएचईएल भोपाल के श्री एस के महाजन, महाप्रबंधक, टीसीबी और श्री अक्षय दवे, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, टीआरई द्वारा लिखित और श्री अक्षय दवे द्वारा प्रस्तुत पेपर “DEVELOPMENT OF A COST EFFECTIVE, DUAL RATIO 1200 KV CLASS 3-PH TESTING TRANSFORMER FOR REACTORS” को “जूरी अवार्ड फॉर बेस्ट पॉपुलर पेपर” पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया।

यह 1200 केवी वलास टेस्टिंग ट्रांसफार्मर बीएचईएल भोपाल में आंतरिक प्रयासों से डिजाइन एवं विकसित और यूएचवी लैब में स्थापित किया गया है। यह अकेला ट्रांसफार्मर ही सिंगल फेस 800 केवी वलास शंट रिएक्टर और श्री फेस 400 केवी शंट रिएक्टर को टेस्ट कर सकता है और इसका सही समय पर विकास 800 केवी वलास शंट रिएक्टर की समय पर सप्लाई सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस सेमिनार में बीएचईएल भोपाल के टीआरई प्रभाग के श्री आर के सिंह, अपर महाप्रबंधक, श्री सुनील सचदेवा, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, श्री अरुण कुमार साहू, वरिष्ठ प्रबन्धक और श्री पवन प्रजापत, प्रबन्धक, द्वारा लिखित “500 MVA 800 kV TAPLESS AUTO TRANSFORMER” एवं श्री जी पी बघेल, महाप्रबंधक, गुणता और श्री एस के भारती, उप महाप्रबंधक, टीटीजी द्वारा लिखित “EVALUATION AND OVERCOMING CHALLENGES OF RELATIVE OVERSHOOT IN AN OSCILLATORY WAVEFORM OF LIGHTNING IMPULSE” तकनीकी पेपर भी शामिल होते हैं।

मेरसर्स ओएनजीसी ग्राहकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम



बीएचईएल, भोपाल के मानव संसाधन विकास केंद्र में मेरसर्स ओएनजीसी के अधिकारियों के लिए "इलेक्ट्रिकल इन्जी की एसी-एससीआर प्रणाली और ड्रिलिंग इन्जी के वीएफडी की मूल बातें" पर 5 दिनों का ग्राहक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ श्री एस.के. बिश्वास, अपर महाप्रबंधक (सीईई) एवं श्रीमती स्वागता एस.सक्सेना, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (एचआरडी) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संकाय सदस्य के रूप में श्री शिशु पाल, वरिष्ठ प्रबंधक (टीएमई) एवं मानव संसाधन विकास केंद्र के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

श्री बिश्वास ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि मेरसर्स ओएनजीसी हमारा सम्मानित ग्राहक है। इंजीनियरों के लिए ज्ञान और कौशल को अद्यतन करने के लिए सीखना

एक बहुत ही महत्वपूर्ण ज्ञान है। हम सभी को वर्तमान कारोबारी माईक्रोल में बदलावों को समझने, खीकार करने और दिन-प्रतिदिन की चुनौतियों से सीखने की जरूरत है। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना की और उपकरणों की महत्वपूर्णता को समझने और प्रतिभागियों को जितना संभव हो उतना सीखने पर जोर देते हुए कहा कि हम उनकी समर्थ्याओं के समाधान और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सदैव तत्पर हैं।

इस अवसर पर श्रीमती स्वागता एस.सक्सेना ने कार्यक्रम और मॉड्यूल के बारे में सभी प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद श्री उमेश कुमार सावले, प्रबंधक (एचआरडी) ने किया।



“दीपावली मिलन समारोह”



बीएचईएल लेडीज क्लब के सभी सदस्यों ने दीपावली के पूर्व “मिलन समारोह” रंगारंग सांरकृतिक कार्यक्रम के साथ धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर क्लब ने अपने सभी संस्थाओं के कर्मचारियों के लिए रंगोली एवं कलश सज्जा प्रतियोगिता रखी गई। सभी के द्वारा सुन्दर रंगोली एवं आकर्षित कलश बनाए गए।



रंगोली प्रतियोगिता में रिकल सेंटर ने प्रथम, ब्लू कम्प्यूटर सेंटर ने द्वितीय एवं टेवनीकल एवं वेलफेयर सेंटर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं कलश सज्जा में वाटिका ने प्रथम, टेवनीकल सेंटर ने द्वितीय एवं वोकेशनल एवं कल्चरल सेंटर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर लेडीज़ वलब की अध्यक्षा श्रीमती शशि सिंह ने सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन आपसी मेल-मिलाप एवं सौहार्द को बढ़ाते हैं। इस अवसर पर सभी सेन्टर के उपाध्यक्षा एवं सदस्य गण उपस्थित थे।

कार्यक्रम का संचालन सचिव श्रीमती मनीषा शर्मा एवं आभार श्रीमती रीना राना ने किया।

**शक्ति के अभाव में विश्वास व्यर्थ है,
विश्वास और शक्ति, दोनों किसी
महान् काम को करने के लिए आवश्यक हैं।**

- Sardar Vallabhbhai Patel

बीएचईएल, लेडीज क्लब द्वारा विभिन्न प्रकार की सामग्री विक्रय की गई



विंगत दिवस कालीबाड़ी में बीएचईएल, लेडीज क्लब द्वारा लेडीज क्लब की इकाई मसाला पापड़ केन्द्र, वेलफेर विंग, वाटिका जलपान-गृह एवं वोकेशनल विंग द्वारा अपने अपने उत्पाद विक्रय हेतु रखे गए। मसाला सेन्टर द्वारा सभी प्रकार के साबूत एवं पिसे मसाले, पापड़, बडिया, अचार एवं चिप्स एवं वेलफेर विंग द्वारा कई प्रकार के बैग जैसे साड़ी बैग, ब्लाउज बैग, एप्रेन, कुशन कवर, बेडशीट, मारक इत्यादि तथा वाटिका जलपान गृह द्वारा कई प्रकार की मिठाइयों, नमकीन, बालूशाही, बेसन बरफी तथा वोकेशनल विंग द्वारा थालियों पर वर्ली पॉटिंग एवं डेकारेटेड दीये विक्रय किए गए।

इस अवसर पर क्लब की अध्यक्षा श्रीमती शाशि सिंह एवं सभी इकाइयों की उपाध्यक्षा, सचिव, कोषाध्यक्ष एवं सदस्यगण उपस्थित थीं।

बीएचईएल, लेडीज वेलफेर सोसायटी, मसाला पापड़ केन्द्र द्वारा उद्योगनगरी के रहवासियों की सुविधा हेतु मसाला विक्रय हेतु एक कियोरक, बरखेड़ा, विजय मार्केट (को-ऑपरेटिव गैस सोसायटी) के सामने बनाया गया है।



लेडीज वलब की अध्यक्षा द्वारा नवीन पुस्तकालय का शुभारंभ



विगत दिवस बीएचईएल, लेडीज एजूकेशनल वेलफेर विंग में लेडीज वलब की अध्यक्षा श्रीमती शशि सिंह ने नवीन पुस्तकालय का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि यह नृतन प्रयास भविष्य में छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सहायक होगा। पुस्तकालय में कम्प्यूटर शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा, साहित्यिक उपन्यास आदि विभिन्न प्रकार की पुस्तकें एवं पत्रिकाएं सभी के लिए उपलब्ध रहेंगी।

इस अवसर पर सभी सेन्टरों की उपाध्यक्षाएं एवं सदस्य उपस्थित थीं।

जब भी आप एक अच्छी किताब
पढ़ते हैं, तो कहीं न कहीं दुनिया में
आपके लिए रोशनी का एक नया
दरवाजा खुलता है।

बीएचईएल लेडीज एजूकेशनल वेलफेर विंग में पुरस्कार वितरण समारोह



बीएचईएल लेडीज एजूकेशनल वेलफेर विंग में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए हिंदी दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में भेल लेडीज वलब की अध्यक्षा श्रीमती शशि सिंह ने सभी विजेताओं को प्रमाण-पत्र एवं ट्राफी प्रदान की। इस अवसर पर संस्था की उपाध्यक्षा श्रीमती ज्योति दुबे भी उपस्थित थीं।

इस दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में लेडीज वलब द्वारा संचालित सेंटर की उपाध्यक्षा श्रीमती मनीता चंद्रा, श्रीमती छ्ठी प्रणती एवं सभी सदस्याएं उपस्थित थीं।

कार्यक्रम का संचालन सचिव श्रीमती मनीषा शर्मा एवं आभार श्रीमती गीना सचान ने किया।





फिला-फैक्टस

विश्व का सबसे ऊंचा डाकघर कौन सा है?

172114 पोस्टल इंडेक्स के साथ हमारे देश में हिमाचल प्रदेश के सिसी जिले का हिंद्रिम दुनिया का सबसे ऊंचा डाकघर है। इसका परिचालन 5 नवंबर 1983 को समुद्र तल से 14,567 फीट (4400 मीटर) की ऊंचाई पर स्थित हिंद्रिम गांव में शुरू हुआ।



4,440 मीटर की ऊंचाई पर, हिंद्रिम गांव में छोटा डाकघर इस अलग-थलग क्षेत्र के छोटे गांवों के समूह को बाकी दुनिया से जोड़ता है। ग्रामीण यहाँ पत्र पोस्ट करने या अपने वचत खातों में पैसे जमा करने आते हैं; और निःशर यात्री जो यहाँ तक पहुंचते हैं वे पृथ्वी के सबसे ऊंचे डाकघर से अपने पत्र भेजने में गर्व महसूस करते हैं। यह कठिन काम है: कुछ मोटर योग्य सड़कों का मतलब है कि डाक को पैदल ले जाना होगा, और डाकघर को अक्सर सर्दियों के दौरान बंद करना पड़ता है। स्पीति घाटी की राजधानी काजा, जो हिमाचल प्रदेश राज्य के अन्य बड़े शहरों से सड़क मार्ग से जुड़ी हुई है, तक डाक पहुंचाने के लिए दो डाकिए हर दिन ऊंचे पहाड़ी दर्रों और चरागाहों के पार पैदल 46 किमी की कठिन यात्रा करते हैं।

जून 2022 से, इमारत का नवीनीकरण किया गया है और अब यह लेटरबॉक्स के आकार का डाकघर है। यह अपने आप में आकर्षण का केंद्र है। दुनिया भर से पर्यटक हिंद्रिम डाकघर से अपने प्रियजनों को पत्र भेजते हैं।



सौजन्य से :



सुनील सरदेवा
वरि टीजीएम टीआरई

"डाकघर वह जगह है... जहाँ हाथो से लिखे सपने यात्रा पर निकलते हैं"



श्री आकाश दाणी



डॉ. (श्रीमती) पी सचदेव



श्री गौतम मजूमदार



श्री आलोक सेंगर



श्री आर के अग्रवाल



श्री रामभाऊ पाटिल

बीएचईएल, भोपाल के पटोननत महाप्रबंधकों को बीएचईएल परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं एवं बहुत-बहुत बधाईयों।

नवम्बर, 2023 में सेवानिवृत्त कर्मचारियों का विदाई समारोह



**बीएचईएल, भोपाल परिवार की ओर से नवम्बर, 2023 में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को
हार्दिक शुभकामनाएं।**

BEST WISHES	NAME	STAFFNO	DESIGNATIO	DIV	D O B	ENTERED BHE	JOINED AS
	1) SMT M R DINGROCHA	1251333	GM (CMG,PMG, CC)	CMG	05/11/1963	30/09/1984	ENGINEER TRAINEE
	2) SHRI S CHANDRASHEKAR	1253719	GM	MHX	17/11/1963	26/09/1985	ENGINEER TRAINEE
	3) SHRI BIPLAB MONDAL	2195216	ADDL.GM	IEX	30/10/1963	14/07/1986	ENGINEER TRAINEE
	4) SHRI RAJIV KUMAR JAIN	1268627	SR.DGM	OTH	27/10/1963	13/02/1990	ENGINEER TRAINEE
	5) SHRI SANJAY KUMAR SHRIVAS	1249231	SR.OFFICER	MED	18/11/1963	19/11/1981	D/R EMPLOYEE
	6) SHRI VIKAS DONGRE	1271229	ADDL.ENGINEER GR.II	SCS	29/10/1963	24/09/1988	ARTISAN
	7) SURENDRA SINGH KHANDATE	1276085	SUB- ADDL.ENGR. GR2	CIM	12/11/1963	17/01/1991	ARTISAN
	8) SHRI ARJUN SINGH	1267531	SUB- ADDL.ENGR. GR2	FGM	12/11/1963	25/02/1988	ARTISAN C/W
	9) SHRI NIRMAL KUMAR SHARMA	1257374	ARTISANI (SLINGER)	TAM	04/11/1963	07/07/1984	UNSKILLED WORKER

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती जनजाति गौरव दिवस के रूप में आयोजित



15 नवंबर, 1875 को मुंडा जनजाति के हिस्से के रूप में जन्मे बिरसा मुंडा ने अपने समुदाय की मुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जो अंग्रेजों के अत्याचारों से अवगत थे। मुंडाओं ने छोटानागपुर क्षेत्र में उपजाऊ भूमि पर निवास किया जिसका उपयोग खेती के लिए किया जाता था। उनकी जमीन हड्पने के लिए अंग्रेजों ने स्थानीय जमींदारों से सांठगांठ की और उन्हें बंधुआ मजदूरी के लिए मजबूर करने की कोशिश की।

1895 में, स्थानीय लोगों ने मदद के लिए बिरसा मुंडा की ओर रुख किया, जिन्हें धरती अब्बा (पृथ्वी के पिता) के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य से मुकाबला करने के लिए पूरे क्षेत्र में सफलतापूर्वक लोगों को एकजुट किया जिसके कारण उनकी गिरणतारी हुई। हालाँकि, दो साल की कैद ने उन्हें और अधिक दण्ड बना दिया।

1899 में, बिरसा मुंडा ने 'उलगुलान' (महान उपद्रव) नामक विद्रोह का नेतृत्व किया। गुरिल्ला युद्ध रणनीति का उपयोग करके अंग्रेजों पर सिलसिलेवार हमले किए गए। हालाँकि, विद्रोह लंबे समय तक नहीं चला। अंग्रेजों ने आदिवासी नेताओं पर हमला किया और बिरसा मुंडा को पकड़ लिया। बिरसा मुंडा ने 9 जून, 1900 को 25 वर्ष की छोटी उम्र में शहादत प्राप्त की।

भारत सरकार ने घोषणा की है कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाई जाएगी।

प्रचार एवं जनसम्पर्क विभाग बीएचईएल भोपाल द्वारा संकलन (केवल निजी वितरण हेतु)
सम्पादक : अपर महाप्रबंधक (प्रचार एवं जनसंपर्क)